अमर उजाला

बरेली
शुक्रवार, 24 फरवरी 2023
फाल्गुन शुक्ल-पंचमी
विक्रम संवत-2079

स्मृति शेष

जितेंद्र महाराज का 18 फरवरी को दिल्ली में हुआ निधन, शहर के भुड़ मोहल्ले के रहने वाले थे नृत्याचार्य

जिंदगी की साज पर थमी कथक गुरु के घुंघरुओं की आवाज

संवाद न्यूज एजेंसी

बरेली। विश्व प्रसिद्ध कथक गुरु जितेंद्र महाराज के घुंघरुओं की आवाज थम गई। 18 फरवरी को दिल्ली में उनका निधन हो गया। करीब 77 वर्ष के नृत्याचार्य का दिल्ली में इलाज चल रहा था।

जितेंद्र महाराज।

केंद्रीय संगीत नाटक अकादमी सहित अनेक सम्मानों से सम्मानित जितेंद्र महाराज शहर के भुड़ मोहल्ले के रहने वाले थे। काफी वर्षों से वह दिल्ली में ही रह रहे थे। वह शास्त्रीय संगीत के बनारस घराने के कृष्ण कुमार महाराज के शिष्य थे। लगभग तीन साल पहले वह बरेली में रिद्धिमा थिएटर के उद्घाटन पर आए थे।

जितेंद्र महाराज के परिवार के अनेक सदस्य आज भी बरेली में रह रहे हैं। दिल्ली में कथक सिखाने के लिए उन्हें एक संस्थान की भी स्थापना की। उनकी शिष्याओं में नलिनी-कमलिनी ने पूरी दुनिया में नाम कमाया। दोनों उनकी विरासत को आगे बढ़ा रही हैं। बरेली सहित तमाम स्थानों पर वह अपने गुरु के साथ मंचों पर प्रस्तुतियां देतीं रही है।

शास्त्रीय संगीत के बनारस घराने से जुड़े थे कथक गुरु नलिनी-कमलिनी को सिखाया कथक

कथक गुरु जितेंद्र महाराज ने किया था रिद्धिमा थियेटर का शुभारंभ। फाइल फोटो

खानकाह नियाजिया से था खास लगाव

गुरु जितेंद्र महाराज का विश्व प्रसिद्ध सूफी स्थल खानकाह नियाजिया से खास नाता रहा है। उन्होंने नियाजिया बाग में लगभग 25 साल पहले तक होने वाली शास्त्रीय संगीत की महफिल में अपनी प्रस्तुतियां दीं थीं। खानकाह प्रबंधक शब्बू मियां निज़ामी ने बताया कि जितेंद्र महाराज का खानकाह से आत्मीय लगाव था। उनकी खानकाह के बुजुर्गों से अकीदत रही है। वह जब भी बरेली आते खानकाह में हाजिरी देने जरूर आते थे।

नृत्य कला के क्षेत्र में अपूरणीय क्षति

एसआरएमएस के चेयरमैन देवमूर्ति ने कहा कि जितेंद्र महाराज अच्छे कथक गुरु थे। उनसे उनकी जान पहचान 15-20 वर्षों से थी। वह बेहतर और नेक इंसान थे। उन्होंने रिद्धिमा का उद्घाटन भी किया। इसके लिए हम कृतज्ञ रहेंगे। उनको हमने श्रीराममूर्ति प्रतिभा अलंकरण से सम्मानित भी किया। वह हमारे यहां तीन बार आए, यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है। उनका दुनिया से चले जाना नृत्य कला के क्षेत्र में एक बड़ी क्षति है।

उनका जाना खल गया...बरेली की शान थे कथक गुरु

प्रसिद्ध गजल गायक खुर्शीद अली खान ने कहा कि बताया कि गुरु जितेंद्र महाराज के बरेली आने पर उनसे मुलाकात होती थी। उनका चूं जाना खल गया। उनके परिवार के लोगों से नाता है।